ओ गुरुओ के गुरु गोरख

ओ गुरुओ के गुरु गोरख मैं थारा हो लिया

1. किसा पाड दिया यो चाला, माटी का बणाया गढ़वाला,
   थारा देख्या खेल निराला हो, थारे मोह नै मोह लिया,
   ओ गुरुओ के गुरु गोरख मैं थारा हो लिया

2. गुरु भक्ति ख़ूब दिखाई, भिक्षा महै आँख लुटाई
   तेरी गावै जगत बड़ाई, अगत का चारा बो लिया
   ओ गुरुओ के गुरु गोरख मैं थारा हो लिया

3. बाछल का भाग जगाया, उस गोगा पीर को ल्याया,
   तेरे जैसा नाथ नही पाया, जगत मन्ने सारा टोह लिया
   ओ गुरुओ के गुरु गोरख मैं थारा हो लिया

4. पूरणमल तन्नै बचाया, माथे का कलंक मिटाया,
   वो फेर भगत कहलाया, उका तन्नै दाग धो लिया
   ओ गुरुओ के गुरु गोरख मैं थारा हो लिया

5. मन महै भगती उपजाकै, मैनावंती को राह दिखाकै
   गोपीचंद को अमर कराकै, रै तू चलता हो लिया
   ओ गुरुओ के गुरु गोरख मैं थारा हो लिया

   प्रेषक:
   सिंगर सुनील धनुवंशी 98123-01662
   हिसार हरियाणा - 125001

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35121/title/o-guruo-ke-guru-gorakh

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |